भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

लोक सभा

तारांकित प्रश्न संख्या-380

उत्तर दिनांक 26.03.2025 को दिया गया

कैंसर रोगियों का उपचार

*380. डॉ. राजीव भारद्वाज

क्या प्रधानमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :-

(क) सरकार द्वारा देश में कैंसर रोगियों को उच्च गुणवत्ता वाला उपचार उपलब्ध कराने के लिए क्या प्रयास किए गए हैं;

(ख) विगत पांच वर्षों के दौरान कैंसर रोगियों के उपचार के लिए किए गए विशिष्ट अनुसंधान कार्यों का ब्यौरा क्या है;

(ग) राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड की कार्यप्रणाली कैंसर रोगियों के उपचार में किस प्रकार सहायक है तथा इसका ब्यौरा क्या है; और

(घ) राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड के केन्द्रों और अनुसंधान संस्थानों का राज्यवार ब्यौरा क्या है?

उत्तर

राज्य मंत्री, कार्मिक, लोक शिकायत और पेंशन तथा प्रधानमंत्री कार्यालय (डॉ. जितेन्द्र सिंह)

(क) से (घ) सदन के पटल पर विवरण प्रस्तुत है।

*****

भारत सरकार

परमाणु ऊर्जा विभाग

"कैंसर रोगियों का उपचार" के संबंध में डॉ. राजीव भारद्वाज द्वारा पूछे गए लोक सभा तारांकित प्रश्न संख्या 380 के भाग (क) से (घ), जिसका उत्तर दिनांक 26.03.2025 को दिया जाना है, के उत्तर में संदर्भित विवरण।

(क) परमाणु ऊर्जा विभाग के तत्वावधान में एक सहायता प्राप्त संस्थान टाटा स्मारक केंद्र (टीएमसी) 60:40 अनुपात के अद्वितीय मॉडल का अनुसरण करते हुए किफायती लागत पर उच्च गुणवत्ता की कैंसर देखभाल प्रदान कर रहा है, जिसके तहत 60% रोगी अत्यधिक आर्थिक सहायता पर इलाज या लगभग निःशुल्क इलाज प्राप्त कर रहे हैं और शेष 40% निजी रोगी अपने इलाज के लिए भुगतान करते हैं। निजी श्रेणी के रोगियों के लिए भी दरें देश के निजी अस्पतालों द्वारा प्रभारित दरों की तुलना में काफी कम हैं। टीएमसी द्वारा रोगियों को उच्च-गुणवत्ता की कैंसर देखभाल को सुनिश्चित करने के लिए निम्नलिखित विशेष उपाय लागू किए जाते हैं :

1) किफायती लागत और बुनियादी ढांचे की उपलब्धता के आधार पर कैंसर प्रबंधन के लिए संसाधन-वर्गीकृत दिशानिर्देश।
2) दिशानिर्देशों को आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी-पीएमजेएवाई) से जोड़ा गया है जिससे एबी-पीएमजेएवाई लाभार्थियों के लिए देखभाल सुविधा की गुणवत्ता सुनिश्चित हो सके।
3) राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी) द्वारा शल्य विकृति विज्ञान गुणवत्ता आश्वासन कार्यक्रम के तहत सभी प्रतिभागी केंद्रों पर सही निदान सुनिश्चित करने में मदद करता है, का मानकीकरण।
4) गुणवत्ता सुधार कार्यक्रम जो सभी देखभाल पथमार्गों की गुणवत्ता में सुधार के लिए केंद्रों को प्रशिक्षित करता है।
5) सभी उच्च मूल्य की कैंसर-रोधी दवाओं के लिए समूह वार्ता जिसके परिणामस्वरूप औसतन 82% भाव में कमी आई है और दवाओं की सुलभता और खर्च वहन योग्यता में सुधार हुआ है।
6) उच्च गुणवत्ता की कैंसर देखभाल उपलब्ध कराने के लिए देश भर के नर्सों, विकृतिविज्ञानियों और तकनीशियनों सहित स्वास्थ्य-देखभाल व्यवसायियों का प्रशिक्षण।
7) जटिल कैंसर मामलों में निदान और उपचार पर सुझाव देने के लिए किसी भी स्थान पर मौजूद कैंसर केंद्रों को बहु-विषयी विशेषज्ञों की टीम द्वारा ऑनलाइन मार्गदर्शन हेतु आभासी अर्बुद बोर्ड।

(ख) पिछले पांच वर्षों में कैंसर देखभाल के क्षेत्र में टीएमसी द्वारा शुरू किए गए विशिष्ट अनुसंधान परिणाम का विवरण निम्नलिखित है :

1) बाल्यावस्था तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकीमिया के उपचार को अनुकूलित करके इलाज दरों को बढ़ाने का प्रयास किया गया है जो विश्व में अब तक किया गया सबसे बड़ा परीक्षण है।
2) सामान्य कैंसरों के लिए किफायती उपचार विकल्प प्रदान करने के लिए दवाओं (एस्पिरिन, मेटफॉर्मिन और करक्यूमिन) का पुनर्प्रयोजन।
3) उच्च-गुणवत्ता का कैंसर अनुसंधान करने के लिए कैरियर की शुरूआत में अर्बुद विशेषज्ञ (ऑन्कोलॉजिस्ट) को प्रशिक्षित करना। अब तक 400 से अधिक अर्बुद विशेषज्ञ (ऑन्कोलॉजिस्ट) प्रशिक्षित किए जा चुके हैं।
4) कैंसर अनुसंधान के लिए प्राथमिक अजेंडा तय करना और देश-प्रासंगिक अनुसंधान हेतु निधि प्रदान करने के लिए आईसीएमआर (संयुक्त मिलान वित्तपोषण सहित) के साथ सहयोग। इनमें निम्नलिखित पहल शामिल हैं:
    i) उन्नत अवस्था में कैंसर रोगियों की संख्या को कम करना
    ii) समाधान-उन्मुख अनुसंधान के माध्यम से कैंसर देखभाल की पहुंच, वहन क्षमता और परिणामों में सुधार करना।
    iii) कैंसर हस्तक्षेपों और प्रौद्योगिकियों का देश-स्तरीय स्वास्थ्य आर्थिक मूल्यांकन
    iv) गुणवत्ता सुधार और क्रियान्वयन अनुसंधान करना।
    v) प्रौद्योगिकी का उपयोग करके मजबूत वैज्ञानिक साक्ष्य द्वारा समर्थित कैंसर नियंत्रण में सुधार करना।
5) एक बड़े योग यादृच्छिक नैदानिक परीक्षण से सिद्ध हुआ है कि योग, स्तन कैंसर वाली महिलाओं में जीवन की गुणवत्ता और इलाज की दर को बढ़ाता है, योग से रोग-मुक्त जीवन काल (डीएफएस) में 15% और योग हस्तक्षेप के बाद समग्र जीवित रहने की दर में 14% सापेक्ष सुधार देखा गया है (नायर एनएस एवं अन्य)।
6) सीएआर टी-कोशिका चिकित्सा :

    i. टीएमसी और आईआईटी (बी) के बीच सहयोग से भारत का पहला सीएआर टी-कोशिका चिकित्सा उत्पाद का विकास।
    ii. भारत में तीव्र लिम्फोब्लास्टिक ल्यूकेमिया के रोगी के लिए पहली सीएआर टी-कोशिका चिकित्सा 4 जून, 2021 को एक्ट्रेक में की गई।
    iii. लिम्फोमा के एक रोगी के लिए पहली सीएआर टी-कोशिका चिकित्सा 21 जून, 2021 को टीएमएच में की गई।
    iv. उपरोक्त 2 परीक्षणों के कारण दिसंबर 2023 में डीसीजीआई से स्वदेशी रूप से विकसित सीएआर टी उत्पाद का अनुमोदन और व्यावसायीकरण हुआ।

(ग) व (घ) राष्ट्रीय कैंसर ग्रिड (एनसीजी) को वर्ष 2012 में पूरे भारत के सभी रोगियों को उच्च गुणवत्ता की कैंसर देखभाल प्रदान करने और एक समान मानक बनाने के व्यापक दृष्टिकोण से स्थापित किया गया। वर्तमान में, एनसीजी 340 कैंसर केंद्रों, अनुसंधान संस्थानों, रोगी सहायता समूहों, परोपकारी संगठनों और व्यावसायिक संस्थाओं के एक बड़े नेटवर्क के रूप में फैल चुका है। एनसीजी के सदस्य संगठनों के बीच यह नेटवर्क प्रतिवर्ष 8,50,000 से अधिक नए रोगियों का उपचार करता है, जो भारत के कुल कैंसर रोगियों का लगभग 60% है। भारत में कैंसर देखभाल से जुड़े सभी हितधारकों को एक मंच पर लाकर एनसीजी कैंसर की रोकथाम में एक मजबूत, एकजुट और शक्तिशाली संगठन बन गया है।

कैंसर देखभाल के लिए एनसीजी द्वारा उठाए गए कदमों का विवरण निम्नलिखित है :

i) सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में 17 केंद्रों से 320 केंद्रों तक नेटवर्क का विस्तार (https://ncgindia.org पर राज्यवार सूची)।
ii) कैंसर देखभाल को रोकथाम से उपचार तक बेहतर बनाने हेतु डिजिटल प्रौद्योगिकियों का उपयोग करने के लिए कोइटा सेंटर ऑफ डिजिटल ऑन्कोलॉजी (एक धर्मार्थ फाउंडेशन द्वारा वित्तपोषित) की स्थापना। यह आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन के साथ पूर्ण संरेखण में है।
iii) सभी कैंसर नीतियों एवं राष्ट्रीय कैंसर नियंत्रण योजना के दिशा-निर्देश हेतु एकीकृत डाटा संग्रहण एवं एकत्रीकरण - एक "राष्ट्रीय कैंसर डाटाबेस"। पांच सामान्य कैंसरों के लिए प्रारंभिक डेटाबेस स्थापित किए गए।
iv) रोगी के घर के पास कैंसर देखभाल प्रदान करने के लिए डिजिटल प्रौद्योगिकीय कंपनियों के साथ साझेदारी।
v) कैंसर के कारण, नए कैंसर-रोधी उपचार और निवारक प्रौद्योगिकियों की पहचान और विकास को समझने के लिए एनसीजी में राष्ट्रीय ट्यूमर ऊतक बायोबैंक की शुरुआत।

*****